पिछला कुछ भी याद नही करना
जीते जी मरना,माना ही सब कुछ भूलना
जो पूरा मरते,वो बाप से आरग्यु नही करते
बाप जो सुनाते उसे ही सच मानते
तीव्र-पुरुषार्थी पढ़ाई का शौंक रखते
सवेरे-सवेरे उठ पढ़ाई पढ़ते
शान्तिधाम -सुखधाम को याद करते
प्रेम से मुक्ति,जीवन्मुक्तिधाम का रास्ता बताते
देह-अभिमान माना हद की स्थिति
देही-अभिमानी माना बेहद की स्थिति
देही बनने से सब बन्धन ख़त्म हो जाते
जीवनमुक्ति स्थिति का संगम पर अनुभव कराते
निश्चयबुद्धि रहते..निश्चय विजयी और निश्चिन्त

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!!!